प्रिय मित्रों, **1 जनवरी, 2013**

संख्याओं में 13 (Thirteen) की संख्या अंग्रेजी के आठ अक्षरों वाली सबसे छोटी संख्या है । हिंदी में 13 को 'तेरह' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'आप ही का' । यह शब्द न केवल प्रत्येक व्यक्ति के कर्मों का प्रतिनिधित्व करता है बल्कि आध्यात्मिक संदर्भों में इसका अर्थ यह भी है कि प्रत्येक प्राणी के भीतर निवास करने वाली आत्मा सहित संसार की हर वस्तु उस प्रभु, उस सृजनहार की है । यह कोई संयोगमात्र नहीं है कि भागवद् गीता के तेरहवें अध्याय में सर्वाधिक महत्वपूर्ण और सर्वाधिक प्रकाशमय एवं रहस्यमय संदेश है जो निम्न प्रकार है :

"क्षेत्र क्षेत्रज्ञ विभाग योग"

अर्थात् 'योग' का संबद्ध क्षेत्र (शरीर) और क्षेत्रज्ञ (ज्ञानीजन) के बीच का भेद है । " ईश्वर कहते हैं कि वे ज्ञान रूप में प्रत्येक प्राणी में निवास करते हैं और हर प्रकार की ज्योति के ज्योतिपुंज हैं, वे अज्ञान व अंधकार से परे हैं, इसलिए परम ज्ञानी हैं । उन्हें जान लेने के बाद अन्य किसी ज्ञान की आवश्यकता नहीं रहती ।

21वीं सदी के 13वें वर्ष में अर्थात् 2013 में प्रवेश करते समय 13 के अंक के साथ जुड़े किसी भी प्रकार के अंधविश्वास और दुर्भाव दूर हो जाने चाहिए । हमें सदैव श्रेष्ठतम ज्ञान प्राप्त करने के लिए संलग्न रहना चाहिए तथा अतीत में हुई गलतियों से सीख लेते हुए हमेशा भविष्य की बेहतरी के प्रयास करने चाहिए । कहना न होगा कि इफको का हर कदम भारतीय किसानों की भलाई की दिशा में ही उठता है ।

गत वर्ष हमारे लिए उपलब्धियों का मिला-जुला वर्ष रहा । एक ओर जहां हमने निराशाजनक आर्थिक परिदृश्य का सामना किया वहीं दूसरी ओर हमने कनाडा में अमोनिया-यूरिया परियोजना स्थापित करने की योजना तैयार करके विदेश में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करने की दिशा में ऊंची छलांग लगाई है । अपने देश में हम कलोल में स्थित अमोनिया-यूरिया इकाई का विस्तार कलोल-II के रूप में करेंगे । कलोल-II की क्षमता प्रतिवर्ष 1.28 मिलियन टन यूरिया उत्पादन की होगी ।

इफको कनाडा एन्टरप्राइजिज लिमिटेड दो विशाल कृषि प्रधान देशों के बीच एक बेहतर अवसर है । इसके अन्तर्गत दो सहकारी समितियां (लॉ कोप फैड्री तथा इफको) दो वृहद कृषि अर्थव्यवस्था वाले देशों के तेजी से बदलते हुए कृषि उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । यह साझेदारी बैकनकोर, कनाडा में एक अमोनिया-यूरिया परियोजना स्थापित करने के लिए अपने किस्म की अनूठी साझेदारी है. 1.2 बिलियन अमेरिकी डालर के साझे निवेश वाली इस परियोजना से यूरिया खाद के उत्पादन और विपणन का मार्ग प्रशस्त होगा तथा आगे चलकर यह देश में यूरिया की मांग तथा आपूर्ति के बीच अन्तर को पाटने में सहायक सिद्ध होगी ।

वर्ष 2012 में एक और अति महत्वपूर्ण कार्य हुआ जो उल्लेखनीय है । भारत के संविधान में 97वां संशोधन करके सहकारी समितियों के गठन को एक मौलिक अधिकार बनाया गया है । इफको इस निर्णय का स्वागत करती है चूंकि इससे भारत में सहकारी आन्दोलन को और मजबूती मिलेगी ।

गत वर्ष के दौरान इफको के प्रयासों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा सराहा गया । पारादीप इकाई को तकनीकी नवोन्वेषण के लिए एफएआई के ग्रीनटैक अवार्ड से सम्मानित किया गया, फूलपुर इकाई को नाइट्रोजन(अमोनिया) के सर्वश्रेष्ठ उत्पादन कार्यनिष्पादन के लिए पुरस्कृत किया गया जबकि हमारी आंवला इकाई को एफएआई द्वारा पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया । इफको की कृषि विस्तार गतिविधियों को भी एफएआई द्वारा सराहा गया है ।

गत वर्ष आमतौर पर वैश्विक अर्थ-व्यवस्था के लिए तथा विशेष रूप से भारतीय अर्थ-व्यवस्था के लिए कठिन वर्ष रहा । साथ ही, भारत में मानसून का मिजाज़ भी असामान्य रहा तथा डालर के मुकाबले रुपया कमजोर हो गया और हमें कच्चा माल मंहगा खरीदना पड़ा । जिसके परिणामस्वरूप, मजबूर होकर हमें उर्वरकों के मूल्य भी बढ़ाने पड़े । अप्रैल से दिसम्बर, 2012 तक हमने 33.60 लाख मी0 टन यूरिया तथा 25.40 लाख मी0 टन एनपी/एनपीके/डीएपी का उत्पादन किया । इस प्रकार लगभग 59 लाख मी0 टन उर्वरकों का उत्पादन किया जा सका । इस अवधि के दौरान हमने ₹ 706.37 करोड़ का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया ।

उर्वरकों के भारी मात्रा में जमा हो जाने की परिस्थितियों में तथा बाजार के हालात अनुकूल न होने के बावजूद हमारे विपणन प्रभाग ने बाजार में अपना स्थान बनाए रखा तथा अपने प्रयासों के बल पर यूरिया की 42.50 लाख मी0 टन तथा एनपी/एनपीके/डीएपी की 23.50 लाख मी0 टन सहित कुल लगभग 66 लाख मी0 टन उर्वरक सामग्री की बिक्री की । मैं अपनी सदस्य सहकारी समितियों, विशेष रूप से विपणन महासंघों का उनके सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद करता हूं । यह सभी कुछ उनके सहयोग के कारण संभव हो सका तथा हम 5.5 करोड़ किसान सदस्यों की सेवा कर सके ।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि हमारे सभी संयुक्त उद्यम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मैं यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि हमारी जोर्डन परियोजना लगभग पूरी होने वाली है और हमें उम्मीद है कि 2013 के मध्य तक इसमें वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो जाएगा । इससे हमारी मौजूदा उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी तथा हम देश में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकेंगे ।

मैं इस बात पर बल देना चाहूंगा कि काम करते समय, विशेष रूप से संयंत्रों में काम करते समय हमें यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि निर्धारित सुरक्षा मानदंडों का पालन किया जा रहा है । हमें यह भी याद रखना होगा कि सबकी सुरक्षा हमारा सबसे महत्वपूर्ण निवेश है तथा यही हमारी सफलता का एकमात्र मार्ग है । बेहतर भविष्य के लिए हमें सदैव निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए ।

मुझे आशा है कि हमारी समिति निरन्तर विकास की ओर अग्रसर रहेगी तथा यह अपने सभी पुराने रिकार्डों को पीछे छोड़ते हुए विश्व के उर्वरक बाजार में अपना विशिष्ट स्थान बनाए रखेगी । मैं, अपने अध्यक्ष श्री एन पी पटेल तथा उपाध्यक्ष श्री बी एस नकई तथा इफको के निदेशक मंडल के अन्य सम्मानित सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद करता हूं जिन्होंने निरन्तर हमारा मार्गदर्शन किया। मैं, भारत सरकार, विशेष रूप से उर्वरक विभाग, कृषि तथा सहकारिता मंत्रालय का भी आभारी हूं । मैं, हमारे संयुक्त उद्यम भागीदारों तथा विश्व में अपने एसोसिएट्स तथा उनकी सम्बद्ध सरकारों का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने समय-समय पर हमें बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया । मैं, भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया का भी उनके अमूल्य सहयोग के लिए आभारी हूं । मैं, इफको परिवार के सभी सदस्यों, इफको इम्पलाईज यूनियन तथा आफिसर्स एसोसिएशन, सभी ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं तथा उनके कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त करता हूं ।

मैं आपको तथा आपके परिवार को पुनः नववर्ष की बधाई देता हूं । ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि वह आपको तथा आपके परिवार को स्वस्थ बनाए रखे तथा आपार खुशियां दें ।

सादर और शुभ कामनाओं सहित,

(उदय शंकर अवस्थी)
प्रबंध निदेशक

वितरणः
इफको के सभी कर्मचारी

प्रति प्रेषितः
अध्यक्ष, इफको,
उपाध्यक्ष, इफको
इफको निदेशक मंडल के सभी निदेशकगण
प्रबंध निदेशक,आईटीजीआई,
प्रबंध निदेशक, आईपीएल
मु0का0अधिककारी(ओमइफको)/मु0का0अधिकारी(आईसीपीएल/ मु0का0अधिकारी(आईकेएसएल)/मु0का0अधिकारी(आईकेएसईजैड)/ प्रबंध निदेशक (अमेरिकाज पैट्रोगैस इंक)/ प्रबंध निदेशक (ग्रोमैक्स इंडस्ट्रीज) /मु0का0 अधिकारी (आईएफएफडीसी)/ मु0का0अधिकारी (आईसीएस)/ निदेशक(केआईटी)
प्रबंध न्यासी- इफको फाउंडेशन/आईकेएसटी